रॉ शुगर के एक्सपोर्ट पर सरकार ने बढ़ाई सब्सिडी

सब्सिडी ₹3,300 से बढ़कर ₹3,371 प्रति टन हो गई

[माधवी शैली | नई दिल्ली]

अगस्त-सितंबर के लिए कच्ची चीनी (रॉ शुगर) पर एक्सपोर्ट सब्सिडी बढ़ाकर 3,371 रुपये प्रति टन कर दी गई है, जो जून-जुलाई में 3,300 रुपये थी। शुगर इंडस्ट्री सब्सिडी जारी रखने की मांग कर रही थी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने यह फैसला किया है। सब्सिडी बढ़ाने का फैसला ऐसे वक्त हुआ है, जब ट्रेड गाइडलाइंस की अनदेखी करके विदेश में चीनी बेचने को लेकर भारत की आलोचना हो रही है। यह भी कहा जा रहा है कि जो भारतीय कंपनियां चीनी निर्यात कर रही हैं, उन्होंने किसानों को गन्ने का बकाया भी नहीं चुकाया है।

फूड मिनिस्ट्री के फूड और पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट ने पिछले शुक्रवार को जारी नोटिफिकेशन में कहा था, 'केंद्र सरकार घोषणा करती है कि रॉ शुगर प्रॉडक्शन और इसके मार्केटिंग-प्रमोशन पर 1 अगस्त से 30 सितंबर के लिए सब्सिडी की रकम 3,371 रुपये प्रति टन होगी।' फरवरी में कैबिनेट कमेटी ऑन इकनॉमिक अफेयर्स ने 40 लाख टन रॉ शुगर एक्सपोर्ट की इजाजत दी थी। डोमेस्टिक मार्केट में कम कीमत के चलते चीनी मिलों की हालत खराब थी। इसलिए वे किसानों को गन्ने की बकाया रकम भी नहीं चुका पा रही थीं। इस दिक्कत को दूर करने के लिए सरकार ने मिलों को कच्ची चीनी के निर्यात की छूट दी थी। उस वक्त फरवरी और मार्च के लिए सब्सिडी की रकम 3,300 रुपये प्रति टन तय की गई थी।

अप्रैल और मई के लिए शुगर डायरेक्ट्रेट ने इसे घटाकर 2,277 रुपये और बाद में जून-जुलाई के लिए बढ़ाकर 3,300 रुपये कर दिया था। सब्सिडी जारी रखने के सरकार के फैसले पर इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल अबिनाश वर्मा ने कहा, 'हम रॉ शुगर एक्सपोर्ट सब्सिडी बढ़ाने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हैं। केंद्र ने विदेशी करेंसी की तुलना में रुपये की वैल्यू कम होने के चलते यह कदम उठाया है।' वर्मा ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री अगले शुगर सीजन के लिए एक्सपोर्ट इनसेंटिव स्कीम पर सरकार की ओर से तस्वीर साफ किए जाने का इंतजार कर रही है। सरकार ने इसका वादा भी किया था। इससे इंडस्ट्री विदेशी बायर्स के साथ भविष्य के सौदे अभी ही कर पाएगी। शुगर सीजन 2014-15 (अक्टूबर-सितंबर) में सब्सिडी जारी रखने के बारे में सरकार सितंबर में फैसला कर सकती है। हालांकि दिल्ली के इंडिपेंडेंट ट्रेड एनालिस्ट तेजिंदर नारंग ने कहा कि रॉ शुगर के एक्सपोर्ट पर सब्सिडी गलत है, जो मोदी सरकार को पिछली सरकार से मिली है।

फैसले पर सवाल

सब्सिडी बढ़ाने का फैसला ऐसे वक्त हुआ है, जब ट्रेड गाइडलाइंस की अनदेखी करके विदेश में चीनी बेचने को लेकर भारत की आलोचना हो रही है

Economic Times

12/8/14